दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 02 अगस्त 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 303

महत्वपूर्ण एवं खास

दीपक दास ने लेखा महानियंत्रक का संभाला कार्यभार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दीपक दास ने आज लेखा महानियंत्रक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। दीपक दास लेखा महानियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभालने वाले 25वें अधिकारी हैं। दीपक दास 1986 बैच के भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) अधिकारी हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा 1 अगस्त, 2021 से वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के रूप में नियुक्त किया गया है। दास ने अपने 35 वर्षों के लंबे करियर के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन, उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग और भारी उद्योग, वाणिज्य एवं कपड़ा, कृषि एवं किसान कल्याण, सड़क परिवहन, राजमार्ग, नौवहन, गृह जैसे मंत्रालयों और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। दास भारतीय सिविल लेखा सेवा की प्रशिक्षण अकादमी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट अकाउंट्स एंड फाइनैंस (आईएनजीएएफ) के निदेशक भी रहे हैं। दास ने भारत सरकार में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए महत्वपूर्ण विभागों को संभाला है। वहां उन्होंने रक्षा मंत्रालय में उप सचिव के साथ-साथ निदेशक के पद पर कार्य किया है। इसके अलावा उनहोंने पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण में सदस्य (वित्त) के तौर पर भी कार्य किया है। सीजीए का कार्यभार संभालने से पहले दास ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक के रूप में कार्य किया है।

मकान ढहने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत, एक घायल

रीवा (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र में आज तड़के एक कच्चे मकान ढहने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया, जिसे समीप के अस्पताल ले जाया गया है। घटना तेज बारिश के चलते हुयी है। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि गढ़ थाना क्षेत्र के बहेरा सेगरान गांव में तड़के एक कच्चा मकान तेज बारिश के चलते अचानक ढह गया, जिससे मकान में सो रहे एक ही परिवार के पांच सदस्य मलबे में दब गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक को घायल अवस्था में निकाला गया, जिसे समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों की पहचान केमली पांडेय (60), उसका लड़का मनोज (35) और दो बच्चियां काजल (08) और आंचल (07) के रुप में हुयी है, जबकि एक अन्य बालक श्रेजल को गंभीर हालत में मलबे से निकाला गया और उसे समीप के गंगेव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है।

अफगानिस्तान में हुए हवाई हमले में 37 आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगानिस्तान के लड़ाकू विमानों ने जज्जान प्रांत के दश्त-ए-लिली इलाके में तालिबान आतंकवादियों के एक काफिले को निशाना बनाया, जिसमें कुल 37 आतंकवादी मारे गए। लड़ाकू विमानों ने बीती देर रात दश्त-ए-लिली इलाके और मुर्गब गांव में तालिबान विद्रोहियों के काफिले पर हमला किया, जिसमें 37 विद्रोही मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। कई हथियार और गोला-बारूद के साथ-साथ 13 मोटरबाइक और आतंकवादी समूह के कुछ वाहन भी नष्ट कर दिए गए। लड़ाकू विमान देश में विद्रोहियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे।

कंधार हवाई अड्डे पर रॉकेटों से हुआ हमला, उड़ानें स्थगित

काबुल। अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े कंधार हवाई अड्डे पर बीती रात को हुए रॉकेट हमलों के बाद रविवार को सभी उड़ानें स्थगित कर दी गयीं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक तालिबानी आतंकवादियों ने बीती देर रात कंधार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन रॉकेट दागे और उनमें से दो रनवे से टकरा गए। स्थानीय अधिकारी निरीक्षण कर रहे हैं और जल्द से जल्द रनवे की मरम्मत तथा फिर से खोलने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

यमुना में जलस्तर फिर बढ़ा, 100 से अधिक परिवारों को पहुंचाया गया सुरक्षित जगह

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर के साथ ही यमुना नदी के तटीय इलाकों में लगातार बारिश के कारण यमुना में जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है और रविवार सुबह यह खतरे के निशान 205.33 मीटर से थोड़ा ही नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यमुना के डूब वाले क्षेत्रों से 100 से अधिक परिवारों को कुछ दिनों के लिए ऊंचाई वाले इलाकों में पहुंचाया गया है। नदी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के कारण जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर जाने के बाद शुक्रवार को दिल्ली प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी की थी और संवेदनशील जगहों से लोगों को निकालने का काम शुरू किया था।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, सुबह नौ बजे पुराना रेलवे पुल पर जलस्तर 205.30 मीटर दर्ज किया

गया। शुक्रवार को यमुना में जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर चला गया था और रात नौ बजे तक यह 205.59 मीटर के स्तर तक पहुंच गया था। शनिवार शाम को जलस्तर 204.89 मीटर दर्ज किया गया था।

हरियाणा द्वारा शुक्रवार को हथिनीकुंड बैराज से और अधिक पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली पुलिस और पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन ने राजधानी में यमुना के डूब क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का काम शुरू किया।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ का खतरा बना हुआ है। हमने विभिन्न क्षेत्रों में नावों को तैनात किया है और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को अस्थायी रूप से दिल्ली सरकार के तंबू और आश्रय गृहों में ले जाया जा रहा है।

यमुना में जलस्तर के खतरे के निशान 204.50 मीटर को पार करने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की जाती है। दिल्ली बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने सुबह नौ बजे हरियाणा के यमुनानगर जिले के हथिनीकुंड बैराज से 17,827 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना दी। आमतौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है, लेकिन डूब वाले क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद पानी का प्रवाह बढ़ गया है। नदी में प्रवाह मंगलवार को 1.60 लाख क्यूसेक पहुंच गया था जो इस साल अब तक का सर्वाधिक है। बैराज से छोड़े गए पानी को राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकेंड के बराबर होता है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान है, जिससे इस क्षेत्र से बहने वाली नदियों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। 2019 में प्रवाह दर 18-19 अगस्त को 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना का जलस्तर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार करते हुए 206.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था। 1978 में नदी में जलस्तर अब तक के सर्वाधिक 207.49 मीटर तक पहुंच गया था। 2013 में जलस्तर 207.32 मीटर पहुंच गया था।

मन्दाकिनी का रौद्र रुप : गांवों का कनेक्शन टूटा, यूपी-एमपी सीमा पर वाहन फंसे

चित्रकूट (आरएनएस)। लगातार तीन दिनों से मूसलाधार बारिश के चलते मन्दाकिनी नदी का पानी बढने के साथ खतरा बढता जा रहा है। मन्दाकिनी खतरे के निशान को पार कर चुकी है। खतरे का निशान पारकर पानी दुकानों में भर गया है। रामघाट पर नाव चल रही हैं।

पिछले एक सप्ताह से थम-थमकर हो रही बारिश अब आफत बनती जा रही है। बारिश से जानकीकुण्ड, भरतघाट, रामघाट समेत नयागांव के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं। भरतघाट, आरोग्यधाम घाट डूब चुके हैं। पानी बढने के साथ खतरा बढता जा रहा है। मन्दाकिनी नदी खतरे के निशान को पारकर दुकानों में पानी भरने से रामघाट में नाव चलने लगी हैं। गुप्त गोदावरी में भी मन्दाकिनी नदी का पानी पहुंचने से अब पानी सडक से लेकर दुकानों तक में भर रहा है।

इससे गुप्त गोदावरी जाने वाले श्रद्धालुओं को रोका गया है। रामघाट और नदी किनारे वाले स्थानों पर एलर्ट जारी किया गया है। पाठा के दर्जन भर गांवों का शहर से कनेक्शन टूट गया है। बरदहा नदी में बाढ से ग्रामीणों की मुसीबतें बढ गई हैं। चमरौंहा, मऊ गुरदरी, पयासीपुरवा, रानीपुर समेत दर्जनों गांवों में बाढ का खतरा मंडरा रहा है। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने क्षेत्रीय अधिकारियों को राहत कार्य में जुटने के निर्देश दिये हैं। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने रामघाट से लेकर मन्दाकिनी पुलघाट किनारे पुलिस कर्मियों को तैनात रहने के निर्देश दिये हैं।

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अपना हेलिकॉप्टर तैनात किया

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने एक उदाहरण पेश करते हुए अपने नए 16-सीटर हेलिकॉप्टर को हिमालय की ऊंचाई पर फंसे कम से कम 66 लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए तैनात किया है। रविवार को मौसम साफ होने के बाद, ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पर्यटकों सहित लोगों को निकालने के लिए अपनी पहली उड़ान में उनका हेलिकॉप्टर तैनात करें, जो पांच दिनों के लिए लाहौल-स्पीति जिले में सड़कों के बंद होने के कारण फंसे हुए हैं।

अपनी दिन भर की चार उड़ानों में, हेलिकॉप्टर टांडी से लगभग सभी फंसे हुए लोगों को निकालेगा और उन्हें बारिंग और कुल्लू छोड़ देगा, जहां से उन्हें सड़क मार्ग से सार्वजनिक परिवहन में उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा।

दरअसल, लाहौल-स्पीति के जिला मुख्यालय केलांग पहुंचे ठाकुर ने शनिवार को जारी राहत और बचाव कार्यों की देखरेख के लिए राज्य की राजधानी पहुंचने के लिए रविवार को अपने पुराने हेलिकॉप्टर से यात्रा करने का फैसला किया ताकि नए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए किया जा सके।

नई दिल्ली, पंजाब, ओडिशा और महाराष्ट्र के पर्यटकों सहित कुल 221 लोगों को शनिवार तक विभिन्न स्थानों से सड़क मार्ग से बचाया गया।

पत्थरबाजों पर सरकार का बड़ा एक्शन, अब न सरकारी नौकरी मिलेगी, न विदेश जाने की मंजूरी

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू और कश्मीर में 'देशद्रोहियों' और पत्थरबाजों पर नकेल कसने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पत्थरबाजों और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने वाले लोगों पर नकेस कसने के लिए एक नया आदेश जारी किया है, जिसके तहत ऐसे लोगों को ना तो सरकारी नौकरी दी जाएगी और न ही उनका पासपोर्ट बन पाएगा। पत्थरबाजों और राज्य और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों शामिल रहने वाले लोगों को अब विदेश जाने का मौका नहीं मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने रविवार को 'देशद्रोही' और पथराव करने वालों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पासपोर्ट मंजूरी पर रोक लगाने, सरकारी नौकरियों का कोई प्रावधान नहीं करने और अन्य प्रतिबंधों वाले आदेश जारी किए। शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि सीआईडी की विशेष शाखा कश्मीर ने सभी इकाइयों और अधिकारियों को इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। साथ ही कहा है जब किसी व्यक्ति की जांच करते हुए उसकी सुरक्षा मंजूरी की रिपोर्ट तैयार करते हैं, तो उस समय यह जरूर ध्यान रखें कि संबधित व्यक्ति किसी भी तरह से पत्थरबाजी, राज्य व राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों, कानून व्यवस्था भंग करने में लिप्त न रहा हो। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अगर कोई शख्स ऐसी गतिविधियों में शामिल रहता है तो उसे किसी भी तरह से पासपोर्ट या सरकारी सेवा के लिए क्लीयरेंस न दी जाए। बताया जा रहा है कि इसके लिए सभी डिजिटल साक्ष्य और पुलिस रिकॉर्ड को ध्यान में रखा जाएगा। इससे पहले, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन) नियमों में एक संशोधन किया था, जिसमें सरकारी नौकरी पाने के लिए एक संतोषजनक सीआईडी रिपोर्ट अनिवार्य कर दी गई थी।

207 करोड़ की लागत की योजना का केंद्रीय गृहमंत्री ने किया शिलान्यास

» वैक्सिनेशन में आज यूपी देश में सबसे आगे है

लखनऊ (आरएनएस)। ग्रह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिनको सरकार बनाने के सपने आ रहे हैं,। उनके कानों तक भारत माता की जय' की आवाज जानी चाहिए । उन्होंने कहा कि कोरोना काल के कारण लम्बे समय बाद मैं यूपी की भूमि पर आया हूं,। स्व. बाल गंगाधर तिलक ने कहा था, आजादी मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। इस नारे ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला कर रख दी थी। मैं स्व. बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर उनको विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं।उनके दिखाए मार्ग पर चलकर आगे की पीढियां देश का मान बढ़ाएं,। पहले का यूपी मुझे ठीक तरह से याद है कि महिलाएं असुरक्षित थीं । दिनदहाड़े

गोलियां चलती थीं और माफियाओं का राज था। ,आज 2021 में यूपी में खड़ा हूं तो गर्व से कहता हूं कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को आगे ले जाने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी देश के विकास के लिए काम करती है। भ्रष्टाचारियों के दिल में योगी आदित्य नाथ का भय है,। जिसकी वजह से भ्रष्टाचार कम हुआ है,। आज वैक्सीनेशन में यूपी देश में सबसे आगे है। हमने कहा था शासन एक जाति के लिए नहीं, सबके लिए होगा,मोदी जी जब गुजरात में मुख्यमंत्री थे तो गांधीनगर में राष्ट्रीय फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी बनाई थी। भाजपा की सरकारें जातियों और परिवारों के आधार पर व नजदीकी व्यक्तियों के लिए नहीं चलतीं । इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि गृह मंत्री के कर कमलों द्वारा उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट आफ फोरेंसिक साइंसेस का शिलान्यास हो रहा है । 2017 से पहले उत्तर प्रदेश दंगो का प्रदेश माना जाता था ।माफियाओं का कब्जा था ।उत्तर प्रदेश में चार वर्षों के अंदर जो परिवर्तन हुआ है वो ग्रह मंत्री अमित शाह की वजह से ही है ।उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है वो किसी से छिपा नहीं है ।उत्तर प्रदेश पुलिस अब नए सिरे से कार्य करती दिखाई दे रही है। इस दौरान उत्तर प्रदेश में पेशे वर माफियाओं और गैंगेस्ट्रेरो से 1584 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई ।आज माफियाओं में डर का माहौल है ।प्रदेश के अंदर महिलाएं औरक्षित और नागरिक सुरक्षित महसूस कर रहे है ।यह कानून व्यवस्था के चलते ही संभव हुआ है ।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अमित शाह के साथ ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ,उप मुख्यमंत्री ड्रा दिनेश शर्मा , राज्यमंत्री कौशल किशोर ,स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री , बाल विकास एवम् पुष्टाहार मंत्री स्वाति सिंह सहित पुलिस के अधिकारियो के साथ ही तमाम भाजपा कार्यकर्ता ,पदाधिकारियों के अलावा क्षेत्रीय लोग उपस्थित थे ।

कोविड-19 : फिर बिगड़ने लगे हालात, केंद्र सरकार ने कड़े प्रतिबंध लगाने के दिए आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में कोरोना की दूसरी लहर तो काफी पहले खत्म हो चुकी है, लेकिन तीसरी लहर को लेकर बार-बार संकेत मिल रहे हैं। इन दिनों लगभग हर रोज कोरोना के नए मामले 40 हज़ार से ज्यादा आ रहे हैं। कुछ राज्यों में तो हालात चिंताजनक हैं। लिहाजा केंद्र सरकार ने ऐसे 10 राज्यों के 46 ज़िलों को कड़े कंटेनमेंट ज़ोन बनाने के आदेश दिए हैं। इन ज़िलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है, यानी हर 100 सैंपल की जांच में 10 से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित मिल रहे हैं। केंद्र ने ऐसे जिलों में भीड़-भाड़ को कम करने और लोगों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए हैं। कोरोना के ताज़ा हालात को लेकर शनिवार को दिल्ली में एक हाई लेवल बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, असम, मिज़ोरम, मेघालय, आंध्र प्रदेश और मणिपुर में कोरोना के मौजूदा हालात पर चर्चा की। बाद में स्वास्थ्यमंत्री मनसुख मंडाविया ने भी हालत पर बातचीत की। कहा जा रहा है कि इन 10 राज्यों में 80 फीसदी कोरोना के मरीज़ होम आइसोलेश में हैं। लिहाज़ा केंद्र ने इस बात को लेकर चिंता जताई है कि ऐसे मरीजों पर राज्य सरकार नजर रख रही है या नहीं।

भारत-चीन कमांडरों के बीच 9 घंटे तक चली बातचीत

» 12वें राउंड की सैन्य वार्ता में लद्दाख में तनाव खत्म करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर की बातचीत हुई है। बताया जा रहा है कि 12वें राउंड की सैन्य वार्ता करीब 9 घंटे तक चली। आर्मी सूत्रों से मिल रही खबरों के मुताबिक यह वार्ता शाम 7.30 बजे खत्म हुई है। यह वार्ता लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के पास चीनी की सीमा में स्थित ओल्डी में हुई। बताया जा रहा है कि 9 घंटे तक चली इस वार्ता में पूर्वी लद्दाख में तनाव खत्म करने को लेकर दोनों देशों के सैन्य

कमांडरों के बीच चर्चा हुई है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के पास उभरे विवाद के बाद से भारत और चीन के सैनिकों में संघर्ष के कारण सीमा पर स्थिति काफी तनावपूर्ण है। इस तनाव को कम करने के लिए अब तक कई दौर की वार्ता हो चुकी है। जिसके बाद फिलहाल एलएसी के पास शांति तो है लेकिन तनाव कम नहीं हुआ है। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख के गतिरोध वाली जगहों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया कैसे शुरू हो इसके लेकर दोनों देशों के बीच सैन्य वार्ता के दौरान चर्चा किया गया। भारत ने चीन के साथ शनिवार को हुई 12वें दौर की सैन्य वार्ता में हॉट स्प्रिंग, गोगरा और पूर्वी लद्दाख में विभिन्न तनाव वाले बिन्दुओं से सैनिकों की तत्काल वापसी पर जोर दिया। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीन की ओर स्थित मोल्डो सीमा बिन्दु पर हुई वार्ता के परिणाम पर अभी तक कोई औपचारिक टिप्पणी/बयान नहीं आया है। आशा की जा रही थी कि इस वार्ता से गोगरा और हॉट स्प्रिंग से सैनिकों की वापसी प्रक्रिया की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रगति होगी।

मिली जानकारी के मुताबिक दोनों पक्षों ने बाकी तनाव बिन्दुओं पर शांति लाने, सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पर आगे बढ़ने और संयुक्त रूप से जमीनी स्तर पर स्थिरता बनाए रखने पर चर्चा की। एक सूत्र ने बताया कि भारतीय पक्ष ने गतिरोध के तुरंत समाधान पर जोर दिया और विशेष रूप से हॉट स्प्रिंग और गोगरा से सैनिकों की जल्दी वापसी पर बल दिया। 12वें दौर की वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह में तैनात 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन ने किया।

बातचीत का यह दौर पिछली बार हुई वार्ता से साढ़े तीन महीने से भी ज्यादा समय के बाद हुआ है। इससे पहले 11वें दौर की सैन्य वार्ता नौ अप्रैल को एलएसी पर भारत की ओर चुशुल सीमा बिंदु पर हुई थी और यह बातचीत करीब 13 घंटे तक चली थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर के दृढ़ता के साथ अपने चीनी समकक्ष वांग यी को यह बताने के करीब दो हफ्ते बाद वार्ता का 12वां दौर खत्म हुआ है।

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने 14 जुलाई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन से इतर करीब एक घंटे तक द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक में जयशंकर ने वांग को बताया था कि एलएसी पर यथास्थिति में कोई भी एक पक्षीय बदलाव भारत को मंजूर नहीं है और पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से शांति और स्थिरता बहाल होने के बाद ही संबंधों का विकास हो सकता है।

पिछले दौर की सैन्य वार्ता में दोनों पक्षों ने हॉट स्प्रिंग, गोगरा और देप्सांग में सैनिकों की वापसी की दिशा में आगे बढ़ने के रास्तों पर चर्चा की थी जिसका व्यापक उद्देश्य क्षेत्र में तनाव को कम करना था। हालांकि सैनिकों की वापसी की दिशा में कोई और प्रगति नहीं हुई।